
Shri Bhuvaneshvari Trishati Stotram

श्रीभुवनेश्वरीत्रिशतीस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Bhuvaneshvari Trishati Stotram
File name : bhuvaneshvarItrishatIstotram.itx
Category : devii, devI, trishatI, dashamahAvidyA
Location : doc_devii
Transliterated by : Aruna Narayanan
Proofread by : Aruna Narayanan
Description/comments : See corresponding Namavali
Latest update : June 23, 2020
Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 16, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीभुवनेश्वरीत्रिशतीस्तोत्रम्



अस्य श्रीभुवनेश्वरी त्रिशतीमालामहामन्त्रस्य सदाशिवत्रयैः,
अनुष्टुप्छन्दः, भुवनेश्वरी देवता,
लज्जा बीजम्, कमला शक्तिः वाग्भवं कीलकं
सर्वाभीष्टसिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः ॥

करन्यासः -

ॐ हां अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ।
हीं तर्जनीभ्यां नमः ।
हूं मध्यमाभ्यां नमः ।
हैं अनामिकाभ्यां नमः ।
हौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः ।
हः करतल-कर पृष्ठाभ्यां नमः ॥

अङ्गन्यासः -

ॐ हां हृदयाय नमः ।
हीं शिरसे स्वाहा ।
हूं शिखायै वषट् ।
हैं कवचाय हुं ।
हौं नेत्रत्रयाय वौषट् ।
हः अस्त्राय फट् ।
भूर्भुवस्सुवरोमिति दिग्बन्धः ॥

ध्यानं -

आद्यामशेषजननीमरविन्दयोनेः विष्णोः
शिवस्य वपुः प्रतिपादयित्रीं सृष्टि स्थिति ।
क्षयकरीं जगतां त्रयाणां ध्याये
हृदा विमलयान्वहमम्बिके त्वाम् ॥

पञ्चपूजा -

ॐ लं पृथिव्यात्मने गन्धान् धारयामि ।

अं आकाशात्मने पुष्पाणि समर्पयामि ।

यं वाय्वात्मने धूपं आग्रपयामि ।

रं वह्न्यात्मने दीपं दर्शयामि ।

वं अमृतात्मने अमृतं निवेदयामि ।

सं सर्वात्मने सर्वोपचारान् समर्पयामि ॥

अथ त्रिशतीस्तोत्रम् ।

ॐ हीङ्कार प्रणवाकारा हीङ्कार प्रणवात्मिका ।

हीङ्कार पीठमध्यस्था हीङ्कार प्रणवार्थदा ॥ १ ॥

हीङ्कार पद्मनिलया हीङ्कारार्णव नाडिका ।

हीङ्कार भालतिलका हीङ्कार मुखलोचना ॥ २ ॥

हीङ्कार लोचनान्तस्था हीङ्कार गृहदीपिका ।

हीङ्कार वक्ररसना हीङ्कार तरुकोमळा ॥ ३ ॥

हीङ्कार दन्तिनिलया हीङ्कार शशिशीतला ।

हीङ्कार तुरगारूढा हीङ्कार पुरवासिनी ॥ ४ ॥

हीङ्कार वनमध्यस्था हीङ्कार वनकेसरी ।

हीङ्कार वनसञ्चारी हीङ्कार वनकुञ्जरी ॥ ५ ॥

हीङ्कार शैलनिलया हीङ्कार गृहवासिनी ।

हीङ्कार रससारज्ञा हीङ्कार कुचकञ्चुका ॥ ६ ॥

हीङ्कार नासाभरणा हीङ्काराम्बुजचञ्चला ।

हीङ्कार नासिकाश्वासा हीङ्कार करकङ्कणा ॥ ७ ॥

हीङ्कार वृक्षकुसुमा हीङ्कार तरुपल्लवा ।

हीङ्कार पुष्पसौरभ्या हीङ्कार मणिभूषणा ॥ ८ ॥

हीङ्कार मन्त्रफलदा हीङ्कार फलरूपिणी ।

हीङ्कार फलसारज्ञा हीङ्कार गृहमङ्गला ॥ ९ ॥

हीङ्कार मेघसलिला हीङ्काराम्बरनिर्मला ।

हीङ्कार मेरुनिलया हीङ्कार जपमालिका ॥ १० ॥

हीङ्कार हारपदका हीङ्कारा हारभूषणा ।
 हीङ्कार हृदयान्तस्था हीङ्कारार्णवमौक्तिका ॥ ११ ॥
 हीङ्कार यज्ञनिलया हीङ्कार हिमशैलजा ।
 हीङ्कार मधुमाधुर्या हीङ्कार भुविसंस्थिता ॥ १२ ॥
 हीङ्कार दर्पणान्तस्था हीङ्कार द्रुमवासिनी ।
 हीङ्कार विद्रुमलता हीङ्कार गृहवासिनी ॥ १३ ॥
 हीङ्कार हृदयानन्दा हीङ्कार रससंस्थिता ।
 हीङ्कार मुखलावण्या हीङ्कार पदनूपुरा ॥ १४ ॥
 हीङ्कार मञ्चशयना हीङ्कार पदसञ्चरा ।
 हीङ्कार नादश्रवणा हीङ्कार शुकभाषिणी ॥ १५ ॥
 हीङ्कार पादुकाऽऽरूढा हीङ्कार मृगलोचना ।
 हीङ्कार रथशिखरा हीङ्कार पयसान्निधिः ॥ १६ ॥
 हीङ्कार बिन्दुनादज्ञा हीङ्कार रथपट्टिका ।
 हीङ्कार रथसारथ्या हीङ्कार रथनिर्मिता ॥ १७ ॥
 हीङ्कार पादविजया हीङ्कारानलसंस्थिता ।
 हीङ्कार जगदाधारा हीङ्कार क्षितरक्षणा ॥ १८ ॥
 हीङ्कार हेमप्रतिमा हीङ्कार करपङ्कजा ।
 हीङ्कार ज्ञानविज्ञाना हीङ्कार शुकवाहना ॥ १९ ॥
 हीङ्कार गात्रालङ्कारा हीङ्कार मनुसिद्धिदा ।
 हीङ्कार पञ्जरशुकी हीङ्कार परतत्परा ॥ २० ॥
 हीङ्कार जपसुप्रीता हीङ्कार सदसिस्थिता ।
 हीङ्कार कूपसलिला हीङ्कार मृगवाहना ॥ २१ ॥
 हीङ्कार स्वर्गसोपाना हीङ्कार भ्रूसुमध्यका ।
 हीङ्कार मुक्ताफलदा हीङ्कारोदकनिर्मला ॥ २२ ॥
 हीङ्कार किङ्किणीनादा हीङ्कार कुसुमार्चिता ।
 हीङ्कार कर्णिकासक्ता हीङ्काराङ्गकयौवना ॥ २३ ॥
 हीङ्कार मन्दिरान्तस्था हीङ्कार मनुनिश्चला
 हीङ्कार पुष्पभ्रमरा हीङ्कार तरुशारिका ॥ २४ ॥


हीङ्कार कण्ठाभरणा हीङ्कार ज्ञानलोचना ।
 हीङ्कार हंसगमना हीङ्कार मणिदीधितिका ॥ २५ ॥
 हीङ्कार कनकाशोभा हीङ्कार कमलार्चिता ।
 हीङ्कार हिमशैलस्था हीङ्कार क्षितिपालिनी ॥ २६ ॥
 हीङ्कार तरुमूलस्था हीङ्कार कमलेन्दिरा ।
 हीङ्कार मन्त्रसामर्थ्या हीङ्कार गुणनिर्मला ॥ २७ ॥
 हीङ्कार विद्याप्रकटा हीङ्कार ध्यानधारिणी ।
 हीङ्कार गीतश्रवणा हीङ्कार गिरिसंस्थिता ॥ २८ ॥
 हीङ्कार विद्यासुभगा हीङ्कार ललनाशुभा ।
 हीङ्कार विद्याश्रवणा हीङ्कार विधिबोधना ॥ २९ ॥
 हीङ्कार हस्तिगमना हीङ्कार गजवाहना ।
 हीङ्कार विद्यानिपुणा हीङ्कार श्रुतिभाषिणी ॥ ३० ॥
 हीङ्कार जयविजया हीङ्कार जयकारिणी ।
 हीङ्कार जङ्गमारूढा हीङ्कार जयदायिनी ॥ ३१ ॥
 हीङ्कार परतत्वज्ञा हीङ्कार परबोधिनी ।
 हीङ्कारेन्द्र जालज्ञा हीङ्कार कुतुकप्रिया ॥ ३२ ॥
 हीङ्कारागम शास्त्रज्ञा हीङ्कार छान्दसस्वरा ।
 हीङ्कार परमानन्दा हीङ्कार पटचित्रिका ॥ ३३ ॥
 हीङ्कार कर्णताटङ्गा हीङ्कार करुणार्णवा ।
 हीङ्कार क्रियासामर्थ्या हीङ्कार क्रियाकारिणी ॥ ३४ ॥
 हीङ्कार तन्त्रचतुरा हीङ्कारार्ध्वरदक्षिणा ।
 हीङ्कार मालिकाहारा हीङ्कारसुमुखस्मिता ॥ ३५ ॥
 हीङ्कार देहनिलया हीङ्कार स्तनमण्डिता ।
 हीङ्कार बीजस्मरणा हीङ्कार भ्रूविलासिनी ॥ ३६ ॥
 हीङ्कार पुस्तककरा हीङ्कार धनवर्धिनी ।
 हीङ्कार क्रियासन्तुष्टा हीङ्कार क्रियासाक्षिणी ॥ ३७ ॥
 हीङ्कार वेदिकान्तस्था हीङ्कार मकुटोज्वला ।

हीङ्गार पवनावेगा हीङ्गार पदरञ्जका ॥ ३८ ॥
 हीङ्गार धान्यविभवा हीङ्गार भववैभवा ।
 हीङ्गार वैभवोत्साहा हीङ्गार भवरञ्जका ॥ ३९ ॥
 हीङ्गार योगसन्तुष्टा हीङ्गार योगसंस्थिता ।
 हीङ्गार भाग्यनिलया- हीङ्गार भाग्यदायिनी ॥ ४० ॥
 हीङ्गार रत्नसौवर्णा हीङ्गार स्वर्णशृङ्खला ।
 हीङ्गार शङ्खनादज्ञा हीङ्गार शिखिवाहना ॥ ४१ ॥
 हीङ्गार पर्वतारूढा हीङ्गार प्राणसाक्षिणी ।
 हीङ्गार पर्वतान्तस्था हीङ्गार पुरमध्यगा ॥ ४२ ॥
 हीङ्गार रविमध्यस्था हीङ्गाराम्बरचन्द्रिका ।
 हीङ्गार गगनाकारा हीङ्गार व्योमतारका ॥ ४३ ॥
 हीङ्गार विश्वजननी हीङ्गार पुरपालिनी ।
 हीङ्गार विश्वनिलया हीङ्गारेक्षुरसप्रिया ॥ ४४ ॥
 हीङ्गार विश्वमध्यस्था हीङ्गार क्षितिमर्षिणी ।
 हीङ्गार विश्वसान्निध्या हीङ्गार स्वर्गवासिनी ॥ ४५ ॥
 हीङ्गार विश्वसारज्ञा हीङ्गार लोकनिर्माता ।
 हीङ्गार विश्वसामर्थ्या हीङ्गार वटवासिनी ॥ ४६ ॥
 हीङ्गार कुलसन्तुष्टा हीङ्गार कुलनायिका ।
 हीङ्गार कुलसान्निध्या हीङ्गार कुलमोहिनी ॥ ४७ ॥
 हीङ्गार कुलतन्त्रज्ञा हीङ्गार कुलरूपिणी ।
 हीङ्गार कालिफलदा हीङ्गार कुलसाक्षिणी ॥ ४८ ॥
 हीङ्गारालिकापूर्णा हीङ्गार कुलनिर्मिता ।
 हीङ्गार कुलकर्मज्ञा हीङ्गार नटनप्रिया ॥ ४९ ॥
 हीङ्गार मेघनिनादा हीङ्गार कटिमेखला ।
 हीङ्गार सच्चिदानन्दा हीङ्गारात्म स्वरूपिणी ॥ ५० ॥
 हीङ्गार निष्कलाकारा हीङ्गार परमात्मिका ।
 हीङ्गार ब्रह्मनिलया हीङ्गार ब्रह्मरूपिणी ॥ ५१ ॥

हीङ्कार चित्तविमला हीङ्कार श्रीमनोहरा ।
 हीङ्कार परमानन्दा हीङ्कार ज्ञानरूपिणी ॥ ५२ ॥
 हीङ्कार वेदपठना हीङ्काराम्बोधिचन्द्रिका ।
 हीङ्कार विहगावेगा हीङ्काराचलनिश्चला ॥ ५३ ॥
 हीङ्कार द्वन्द्वनिर्द्वन्द्व हीङ्कारागमनिर्मला ।
 हीङ्कार सङ्गनिस्सङ्गा हीङ्काराचित्स्वरूपिणी ॥ ५४ ॥
 हीङ्कार सुगुणाकारा हीङ्कार सुगुणोत्तमा ।
 हीङ्कारागम सन्तुष्टा हीङ्कारागम पूजिता ॥ ५५ ॥
 हीङ्कारागम नैपुण्या हीङ्कारागम साक्षिणी ।
 हीङ्कारागम तत्त्वज्ञा हीङ्कारागम वर्द्धिनी ॥ ५६ ॥
 हीङ्कारागम मन्त्रस्था हीङ्कारागम दायिनी ।
 हीङ्कार वामनिलया हीङ्कार निधिदायिनी ॥ ५७ ॥
 हीङ्कार वृक्षविहगा हीङ्कार वृषवाहिनी ।
 हीङ्कार जीवसायुज्या हीङ्कार शरपञ्जरा ॥ ५८ ॥
 हीङ्कार मुक्तिसाम्राज्या हीङ्कारेन्दु समप्रभा ।
 हीङ्कार तारकाहारा हीङ्कार तरुवासिनी ॥ ५९ ॥
 हीङ्कार वेदतत्त्वज्ञा हीङ्काराद्भुत वैभवा ।
 हीङ्कारोपनिषद्वाक्या हीङ्कारोपनिषद्श्रुता ॥ ६० ॥
 हीङ्कारोपनिषद्सारा हीङ्कारोपनिषद्स्तुता ।
 हीङ्कार क्षेत्रनिलया हीङ्कार क्षेत्रनिर्मिता ॥ ६१ ॥
 हीङ्कार क्षेत्रालङ्कारा हीङ्कार क्षेत्रपालिनी ।
 हीङ्कार स्वर्णबिम्बस्ता हीङ्कार स्वर्णभूषणा ॥ ६२ ॥
 हीङ्कार स्वर्णमकुटा हीङ्कार स्वर्णविग्रहा ।
 हीङ्कारान्दोलिकारूढा हीङ्कारान्दोलिकाप्रिया ॥ ६३ ॥
 हीङ्कार शशिविम्बस्था हीङ्कार शशिभूषणा ।
 हीङ्कार बिन्दुसन्तुष्टा हीङ्कारामृतदायिनी ॥ ६४ ॥
 हीङ्कार बिन्दुनिलया हीङ्कारामृतरूपिणी ।
 हीङ्कार त्रिगुणाकारा हीङ्कार त्रयलोचना ॥ ६५ ॥

हीङ्कार त्रयनामस्था हीङ्कार त्रिदिवेश्वरी ।
हीङ्कार मध्यनिलया हीङ्काराक्षर निर्मिता ॥ ६६ ॥
हीङ्काराक्षर मन्त्रज्ञा हीङ्काराक्षरसाक्षिणी ।
हीङ्काराक्षर संयुक्ता हीङ्काराक्षररूपिणी ॥ ६७ ॥
हीङ्काराक्षर सारज्ञा हीङ्काराक्षरवर्द्धिनी ।
हीङ्काराक्षर नामान्तस्था हीङ्काराक्षर कारिणी ॥ ६८ ॥
हीङ्काराक्षर सन्तुष्टा हीङ्काराक्षर मालिका ।
हीङ्कार ज्योतिषप्रज्ञा हीङ्कार ज्योतिरूपिणी ॥ ६९ ॥
हीङ्कार ऋक्स्वरूपज्ञा हीङ्कार यजुषिप्रिया ।
हीङ्कार सामश्रवणा हीङ्काराथर्वणात्मिका ॥ ७० ॥
हीङ्कारोत्पल वेदज्ञा हीङ्कार प्रणवात्मिका ।
हीङ्कार कोशनिलया हीङ्कारादर्शबिम्बिका ॥ ७१ ॥
हीङ्कार मणिदीप्तार्चिः हीङ्कार मधुरेश्वरी ।
हीङ्कार शब्दश्रवणा हीङ्कारार्थ विचारिणी ॥ ७२ ॥
हीङ्कार तर्कवादज्ञा हीङ्कार कवचान्विता ।
हीङ्कार योगसारज्ञा हीङ्कार प्राणनायिका ॥ ७३ ॥
हीङ्कार प्रळयाकारा हीङ्कार परमुक्तिदा ।
हीङ्कार राजमातङ्गी हीङ्कार ललिताम्बिका ॥ ७४ ॥
हीङ्कार तारकब्रह्म हीङ्कार परसौख्यदा ।
हीङ्कार भुवनाम्बिका हीङ्कार भुवनेश्वरी ॥ ७५ ॥
इति श्रीभुवनेश्वरित्रिशतिस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Aruna Narayanan

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

